[This question paper contains 8 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक ....

317 **B**

B.A. (Programme)/II Sem.

HINDI LANGUAGE (C) -- Paper B

हिन्दी (ग) - प्रश्न-पत्र B

आधुनिक भारतीय भाषा

(प्रवेश वर्ष 2011 और तत्पश्चात्)

समय : 3 *घण्टे* *पूर्णांक* : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिये गये हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10+10

(क) पोशाक मनुष्य को विभिन्न श्रेणियों में बाँटने वाली सीमा है। पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्जा निश्चित करती है। वह हमारे लिए अनेक बंद दरवाजे खोल देती है। परंतु कभी ऐसी परिस्थिति आ जाती है जब हम नीचे झुककर समाज की निचली श्रेणियों की अनुभूति को समझना चाहते हैं, उस समय वह पोशाक ही बंधन और पैर की बेड़ी बन जाती है। जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देतीं,

[P. T. O.

उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुकने से रोके रहती है।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है और इसके लेखक कौन हैं?

(*ii*) पोशाक का महत्त्व बताइए।

(*iii*) पोशाक का मानव मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(*iv*) "मानव-मानव में दूरी और निकटता पोशाक के कारण आती है।" इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*v*) पोशाक कब बंधन और पैर की बेड़ी बन जाती है?

(ख) हमारे देश के गाँव बहुत दिनों से शोषित, दलित, पीड़ित और उपेक्षित हैं। इसलिए वे नाना प्रकार के अभावों के गढ़ बन गए हैं। यों तो पराधीनता के कारण-स्वरूप कितने ही नगरों में भी बहुतेरे अभाव खटकते हैं, पर गाँवों के अभाव-अभियोग बड़े विकट और अत्यंत उपेक्षित हैं—न अभी वे अच्छी तरह जाँचे-परखे गये हैं और न उन्हें दूर करने के संघटित उद्योग ही हुए हैं। उनके दूर होने की कोई आशा अभी नहीं दीख पड़ती। गाँवों को लाभ पहुँचाने वाले कई विभाग सरकार के घर में भी चालू हैं, पर उनसे

गाँवों को यथेष्ट लाभ नहीं हो पाता। इसके लिए कौन दोषी है, यह जानकारों से छिपा नहीं है। दुर्भाग्यवश अधिकांश गाँव वाले अभागे और अज्ञ हैं, इसलिए अधिकतर दोष उन्हीं के सिर थोपे जाते हैं।

(*i*) यह अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है और इसके लेखक का नाम बताइए?

(*ii*) 'अभावों के गढ़' से क्या अभिप्राय है?

(*iii*) "गाँवों को लाभ पहुँचाने वाले कई विभाग सरकार के घर में भी चालू हैं, पर उनसे गाँवों को यथेष्ट लाभ नहीं हो पाता।" इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) संघटित उद्योग किसे कहते हैं?

(*v*) हमारे देश के गाँवों के 'अभाव-अभियोग' विकट और उपेक्षित क्यों हैं?

(ग) वहाँ से मैं एक फ्रेशनर लाया हूँ, पेपर नेपकिन। मैंने पड़ोसी से पूछा, "इसका क्या होगा?" वह बोला, "चेहरा फ्रेश करने के लिए है। तब से जेब में डाले घूम रहा हूँ। अपने को कभी ये थोबड़ा फ्रेश करने की जरूरत ही नहीं पड़ती। अरे इतना महँगा टिकट लेने पर एअर होस्टेस ने हमारी तरफ नहीं देखा, तो सड़क चलती लड़की क्यों देखेगी?

रेल की यात्रा से उतरता हूँ, तो बदन में थकान होती है। लगता है यात्रा की है। हवाई जहाज में लगा जैसे मुझे कोई पार्सल करके भेज रहा है। अजी यह भी कोई यात्रा हुई। अरे सीट के लिए लड़ाई लड़े बिना हम कभी बैठे ही नहीं ट्रेन में। हवाई जहाज में किससे लड़ें और किस बात के लिए लड़ें? हमारे लिए यात्रा का अर्थ है जीवन, संघर्ष, रोमांच, विजय और एक नयी प्रेमकथा। हम लल्लू बने यात्रा नहीं कर सकते। इसलिए निश्चित है कि हम भविष्य में हवाई जहाज में यात्रा नहीं करेंगे और इसका दूसरा सबसे बड़ा कारण यह भी है मित्रो कि आजकल उसका टिकट महँगा होता है।

(*i*) पाठ व लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) लेखक को अपना चेहरा फ्रेश करने की जरूरत क्यों नहीं पड़ती?

(*iii*) लेखक के लिए 'यात्रा' का क्या अर्थ है?

(*iv*) ट्रेन-यात्रा का अनुभव हवाई यात्रा के अनुभव से किस प्रकार भिन्न है?

(*v*) लेखक ने भविष्य में हवाई यात्रा न करने का निश्चय क्यों किया?

2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×5=10

(*i*) ईद की नमाज के माध्यम से लेखक ने इस्लाम की कौन-सी शिक्षा पर प्रकाश डाला है? (ईदगाह)

(*ii*) हिन्दी को सरल और सहज कैसे बनाया जा सकता है? (हिन्दी का सरलीकरण)

(*iii*) लेखक के अनुसार गाँवों की अनिवार्य आवश्यकताएँ कौन-सी हैं? (गाँव की अनिवार्य आवश्यकताएँ)

(*iv*) विभिन्न शासकों के शासन काल में दिल्ली किन-किन नामों से पुकारी गई? (दिल्ली आप बीती)

(*v*) प्राकृतिक प्रकोप से क्या तात्पर्य है और वे कौन-कौन से हैं? (थकी-हारी धरती को अब विश्राम दीजिए)

(*vi*) 'जीवन का आनन्द त्याग में है या भोग में' विचार कीजिए। (उपभोक्तावाद की संस्कृति)

(*vii*) लेखक के अनुसार दु:ख का अधिकार किसे है? (दु:ख का अधिकार)

3. 'निर्मला' के आधार पर किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×4=12

(*i*) निर्मला उपन्यास की प्रमुख समस्याएँ कौन-सी हैं?

(*ii*) रुक्मिणी निर्मला को पसंद क्यों नहीं करती थी?

(*iii*) भुवन मोहन से निर्मला का विवाह क्यों नहीं हो पाया?

(*iv*) निर्मला ने मंसाराम से पढ़ना क्यों छोड़ दिया था?

(*v*) निर्मला की मानसिक पीड़ा को अभिव्यक्त करने वाली किसी एक घटना का उल्लेख कीजिए।

(*vi*) सुधा ने निर्मला की कहानी सुनकर अपने पति से क्या कहा?

अथवा

'आज भी खरे हैं तालाब' उपन्यास के आधार पर किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) बिंदु सागर की विशेषताएँ बताइए।

(*ii*) हड़वाड़ा किसे कहते हैं?

(*iii*) 'सोनकर' किस शाप के कारण तालाबों में मिट्टी खोदने का काम करते थे?

(*iv*) 'अमावस' और 'पूनो' की लेखक ने क्या महत्ता बताई है?

(*v*) 'पीली पोखर' नाम कैसे पड़ा? यह कहाँ पर स्थित है?

(*vi*) तालाबों की शुद्धता बनाये रखने के लिये कौन-कौन से उपाय किये जाने चाहिए?

4. किसी **एक** विषय पर लेख लिखिए : 7

(*i*) दिल्ली रोडवेज की समस्या

(*ii*) महानगर का जीवन

(*iii*) सामाजिक प्रगति में नारी की भूमिका।

5. रिपोर्ट तैयार कीजिए : 6

सड़क दुर्घटना **अथवा** कॉलेज में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता।

6. (क) किन्हीं **तीन** के उपसर्ग व मूल शब्द अलग कीजिए : 3

अत्यंत, कुप्रवृत्ति, असत्य, अपव्यय, अनुग्रह।

(ख) किन्हीं **तीन** के मूल शब्द व प्रत्यय अलग कीजिए : 3

राष्ट्रीय, सामाजिक, ईमानदारी, कुशलता, पढ़ाई।

(ग) किन्हीं **तीन** का संधि-विच्छेद कीजिए : 3

रमेश, जीविकोपार्जन, यद्यपि, दीपावली, परीक्षा।

(घ) किन्हीं **तीन** का समास-विग्रह कीजिए : 3

वनगमन, नीलगाय, आजीवन, माता-पिता, दशानन।

7. (क) किन्हीं **तीन** का पदबंध-प्रकार बताइए : 3

(*i*) उसने जोर से छलांग लगाई।

(*ii*) सदा मुस्कराने वाले तुम आज उदास क्यों हो?

(*iii*) फूलों पर उड़ती तितली अच्छी लगती है।

(*iv*) लाल कमीज वाला व्यक्ति कहाँ है?

(*v*) तुम हँसती हुई अच्छी लगती हो।

(ख) किन्हीं **तीन** वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 3

(*i*) एक गिलास गरम गाय का दूध लाओ।

(*ii*) उसके पास केवल मात्र चार फूल हैं।

(*iii*) हमने यह काम करके बड़ी अशुद्धि की।

(*iv*) मैं अपने स्वाध्याय में लगा रहता हूँ।

(*v*) अनेकों घरों में रोज चूल्हा नहीं जलता है।

(ग) किन्हीं **चार** शब्दों को शुद्ध कीजिए : 2

दरशन, ज्योतसना, स्त्री, अनुग्रहीत, संमान, क्रीष्ण।